हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 15 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मंडला जिले में 15 से 18 जून तक मुख्यमंत्री हेल्पलाइन समाधान शिविरों का आयोजन

मण्डला। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए मंडला जिले के विभिन्न जनपदों, नगर परिषदों एवं नगरपालिकाओं में ब्लॉक स्तरीय समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों का आयोजन 12 जून से 18 जून तक निर्धारित किया गया है। जिले के मंडला, मवई, घुघरी, नारायणगंज, बीजाडांडी, निवास, मोहगांव, बिछिया तथा नैनपुर सहित विभिन्न विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनका मौके पर निराकरण किया जाएगा। शिविरों में जनप्रतिनिधियों, जनपद एवं नगर निकायों के अध्यक्षों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी। 15 जून से मंडला, मंडला नगर पालिका, बिछिया नगर परिषद, मवई, घुघरी, नारायणगंज, निवास नगर परिषद, बीजाडांडी तथा मोहगांव में शिविर प्रारंभ होंगे। वहीं 16 जून से नैनपुर, बिछिया, बहनी बंजर नगर परिषद एवं अन्य क्षेत्रों में भी शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को शिविरों की तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए हैं। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों पर शिविर स्थलों पर पहुंचकर अपनी समस्याओं के समाधान हेतु सहयोग करें। इन शिविरों के माध्यम से शासन की जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

साथी सदस्यों के साथ पैदल वन गश्त पर निकला था युवक

बाघ ने वन श्रमिक पर किया हमला, मौत

*** कान्हा प्रबंधन ने जताया दुख।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला के कान्हा टाइगर रिजर्व में गश्त के दौरान बाघ के हमले में एक अग्नि सुरक्षा श्रमिक की मौत हो गई। यह घटना कान्हा परिक्षेत्र की नकटी घाटी बीट के कक्ष क्रमांक 136 में कैंप के पास घंघारनाला क्षेत्र में हुई। हादसा रविवार सुबह का है।

अग्नि सुरक्षा श्रमिक के तौर पर कार्यरत था युवक

मृतक की पहचान लखन सिंह (29) पुत्र बुद्ध सिंह के रूप में हुई है। वह बालाघाट जिले के ग्राम आमगहन का निवासी था। लखन सिंह कान्हा टाइगर रिजर्व में अग्नि सुरक्षा श्रमिक के तौर पर कार्यरत था। रविवार सुबह वह चार सदस्यीय गश्ती दल के साथ नियमित पैदल वन गश्त पर निकला था।

गश्त के दौरान बाघ ने किया हमला

गश्त के दौरान जंगल में एक बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में लखन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही कान्हा टाइगर रिजर्व के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मृतक के परिजनों को भी इस घटना की जानकारी दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बम्हनी बंजर अस्पताल भेजा गया है, जहां कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

सिझोरा बफर के सहायक संचालक आशीष पांडे ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गम वन क्षेत्रों में हिंसक वन्यजीवों के बीच वन एवं वन्यजीव संरक्षण का कार्य करने वाले कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि वन्यजीव सुरक्षा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले लखन सिंह के निधन से कान्हा प्रबंधन दुखी है।

परिजनों को प्रबंधन ने दी आर्थिक सहायता

पांडे ने यह भी बताया कि मृतक के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान कर दी गई है। शासकीय नियमों के अनुसार देय शेष सहायता राशि भी जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने देशभर में कठिन परिस्थितियों में वन्यजीव संरक्षण में लगे सभी वनकर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस घटना के बाद कान्हा टाइगर रिजर्व के कर्मचारियों और स्थानीय क्षेत्र में गम का माहौल है। वन विभाग द्वारा घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

बड़ी खैरी वार्ड 15 में सीवर ओवर फ्लो से पेयजल संदूषण का खतरा

*** लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने लिए जल नमूने।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विकासखंड मंडला के ग्राम पंचायत बड़ी खैरी के वार्ड क्रमांक 15 में सीवर लाइन से अपशिष्ट जल रिसाव और पेयजल पाइप लाइन के पास से गुजरने की शिकायत पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड मंडला ने स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि नगर पालिका द्वारा निर्मित सीवर लाइन में जल ओवरफ्लो होने से अपशिष्ट जल नाली में बह रहा है। इसी नाली के ऊपर से बिछाई गई पेयजल पाइप लाइन के कुछ घरेलू नल कनेक्शन के जॉइंट पूरी तरह जलरोधी नहीं पाए गए। इससे सीवर युक्त दूषित जल के पेयजल में मिलने की आशंका जताई गई है। संभावित प्रदूषण को देखते हुए विभागीय अधिकारियों ने वार्ड 15 के चार परिवारों के घरों से पेयजल के नमूने एकत्र कर परीक्षण के लिए भेजे हैं। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को सभी नल कनेक्शन के जॉइंट की तत्काल मरम्मत कराने और जल प्रदाय वॉल्व के पास पक्का चैंबर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सीवर लाइन निर्माण एजेंसी श्री राम कंस्ट्रक्शन, ग्वालियर के ऑपरेटर श्री संजू उपाध्याय को ओवरफ्लो की समस्या का तत्काल निराकरण करने को कहा गया।

जनस्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विभाग ने प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों को जल शोधन के लिए जर्मेक्स का वितरण किया और इसके सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री विनेश उइके, जिला सलाहकार एस.एस. श्रीवास्तव, सरपंच श्रीमती सीमा गोटियां और सचिव उमेश बैरागी उपस्थित रहे। विभाग ने एजेंसी और पंचायत को सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

माहिष्मती घाट पर नियमित योग अभ्यास

मण्डला। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा माहिष्मती घाट पर विशेष योग अभ्यास सत्र संचालित किया जा रहा है। रविवार 14 जून को भी प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन की भाँति योग अभ्यास सत्र में शामिल हुए और विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। आयुष विभाग के मार्गदर्शन में 1 जून से जिला प्रशासन के सभी विभाग प्रमुखों एवं अधिकारियों के लिए विशेष योग प्रशिक्षण एवं अभ्यास सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में प्रतिभागियों को अनुलोम-विलोम, ज्ञान मुद्रा, ध्यान मुद्रा, वज्रासन, श्वासन, नाड़ी शोधन, नाड़ी विभाजन तथा सूर्य नमस्कार सहित अनेक महत्वपूर्ण योगासन एवं प्राणायाम का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। योग विशेषज्ञों द्वारा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी जा रही है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया जा रहा है कि नियमित योगाभ्यास से तनाव कम होता है, कार्यक्षमता में वृद्धि होती है तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने में सहायता मिलती है। जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सामूहिक योग कार्यक्रम में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

शिक्षा सत्र की तैयारियों का निरीक्षण

*** आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आगामी शिक्षा सत्र 2026-27 की तैयारियों के तहत 13 जून को क्षेत्रीय संयोजक श्री विष्णु सिंगौर द्वारा राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह शासकीय बालक छात्रावास, लिंगा पोंडी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास अधीक्षक अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण में छात्रों के आगमन से पूर्व खाद्यान्न एवं भोजन व्यवस्था के लिए आवश्यक सभी सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही छात्रावास परिसर, शौचालयों, स्नान कक्षों तथा रसोईघर की समुचित साफ-सफाई कराने के लिए कहा गया।

निरीक्षण के दौरान छात्रावास में अतिरिक्त रसोईघर एवं बाउंड्रीवाल की आवश्यकता भी महसूस की गई। इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर जिला कार्यालय को भेजने तथा की गई कार्यवाही की सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

मंडला में सड़क पर गिरे युवकों को कार ने कुचला

*** एक की मौत, एक गंभीर घायल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दरअसल, सुअर से टकराकर दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरे पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने दोनों को कुचल दिया। मामला पिंडरई चौकी के तुमेगांव घाट और भैंसवाही के बीच का है। घटना में सुअर की भी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बाइक सवार सोहेब मंसूरी (15) और अमन मंसूरी (19) तुमेगांव घाट और भैंसवाही के बीच से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अचानक सड़क पर आए एक सुअर से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया

बताया जा रहा है कि इसी बीच पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर पड़े दोनों युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में छिन्दा थाना केवलारी निवासी सोहेब मंसूरी की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, छिन्दा थाना केवलारी निवासी अमन मंसूरी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पिंडरई चौकी प्रभारी राजकुमार हिरकने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया।

कार को जब्त कर थाने में खड़ा कराया

पिंडरई चौकी प्रभारी राजकुमार हिरकने ने बताया कि घटना के बाद कार को जब्त कर थाने लाया गया है। रविवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जबरदस्ती | **जांच में पाई गई अनियमितताएं लेकिन संचालिका ने आरोप नकारे।**

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को जबरन रोकने का आरोप

*** डायल 112 पर शिकायत की थी शिकायत।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले के बीजाडांडी स्थित एक निजी वृद्धाश्रम 'सैद्धांतिक सीनियर सिटीजन होम' पर गंभीर आरोप लगे हैं। कई बुजुर्गों ने दावा किया है कि उन्हें उनकी इच्छा के खिलाफ वर्षों तक आश्रम में जबरन रोका गया। मामला तब सामने आया जब एक बुजुर्ग ने शुक्रवार को डायल-112 पर फोन कर मदद मांगी।

शिकायत के बाद नायब तहसीलदार, बीजाडांडी थाना प्रभारी अनिता कुडापे और अन्य अधिकारियों की एक टीम ने वृद्धाश्रम का दौरा किया। टीम ने वहां रह रहे बुजुर्गों से बातचीत की। शुक्रवार और शनिवार को हुई इस कार्रवाई और जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए।

बुजुर्गों का दावा घर लौटने से मना किया गया

बुजुर्गों ने अधिकारियों को बताया कि उन्हें बेहतर भोजन, आवास और देखभाल का वादा करके आश्रम लाया गया था। कुछ ने यह भी आरोप लगाया कि उनसे संस्था के नाम पर एक फॉर्म भरवाया गया था। जब उन्होंने अपने घर लौटने की इच्छा व्यक्त की, तो उन्हें जाने नहीं दिया गया।

जानकारी के अनुसार, आश्रम में पहले लगभग 73 बुजुर्ग रहते थे, जबकि वर्तमान में 9 महिलाएं और 24 पुरुष सहित कुल 33 बुजुर्ग यहां मौजूद हैं। बताया गया है कि इन बुजुर्गों को मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से लाकर आश्रम में रखा गया था। बुजुर्गों ने व्यवस्थाओं को लेकर भी शिकायतें की। निरीक्षण के दौरान, कुछ बुजुर्गों ने आश्रम में साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी शिकायतें दर्ज कराईं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे वर्षों से अपने परिजनों से नहीं मिल पाए हैं और अब अपने घर वापस जाना चाहते हैं। बीजाडांडी थाना प्रभारी अनिता कुडापे ने बताया कि शिकायत के बाद मौके का निरीक्षण किया गया। जिन बुजुर्गों के परिजनों की जानकारी उपलब्ध थी और जो घर लौटना चाहते थे, उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया। कुछ सक्षम बुजुर्गों को बस द्वारा उनके गंतव्य तक भेजा गया।

थाना प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि शारीरिक प्रताड़ना जैसी कोई शिकायत सामने नहीं आई है। हालांकि, पूरे मामले की गहन जांच जारी है। वहीं आश्रम की संचालिका ज्योति मिश्रा ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संस्था किसी भी बुजुर्ग को जबरन नहीं रखती और सभी लोग अपनी इच्छा से यहां रहते हैं। फिलहाल प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है।

भुआ बिछिया नगर परिषद क्षेत्र एवं आसपास के किसानों ने शुरू की खेती की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

शुरुआती बारिश की दस्तक के साथ ही नगर परिषद भुआबिछिया क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में किसानों ने खरीफ फसल की खेती की तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्षेत्र में हुई शुरुआती बारिश के बाद खेतों में चहल-पहल बढ़ गई है और किसान जुताई, समतलीकरण तथा बुआई पूर्व कार्यों में जुट गए हैं।

किसान धान, मक्का, सोयाबीन सहित अन्य खरीफ फसलों के लिए खेत तैयार कर रहे हैं। कई स्थानों पर ट्रैक्टरों और कृषि यंत्रों की सहायता से खेतों की जुताई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं किसान बीज एवं उर्वरकों की व्यवस्था करने में भी लगे हुए हैं।

किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है, जिससे खेती की तैयारियों को गति मिली है। यदि मानसून सामान्य रहता है तो इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद है।

क्षेत्र के कृषि केंद्रों और खाद-बीज दुकानों पर भी किसानों की आवाजाही बढ़ गई है। कृषि विशेषज्ञ किसानों को प्रमाणित बीजों का उपयोग करने तथा मौसम के अनुसार फसल प्रबंधन अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

मानसून के आगमन के साथ ही पूरे क्षेत्र में खेती-किसानी का माहौल बन गया है और किसान बेहतर फसल उत्पादन की उम्मीद के साथ नए कृषि सत्र की शुरुआत कर रहे हैं।

रात के समय सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी कर रहे वाहनों में लगे हुये नियम विरूद्ध अतिरिक्त लाईट ओवर लोडिंग की भांति रात के समय लाईट चैकिंग आमजन द्वारा उठाई जा रही मांग ..

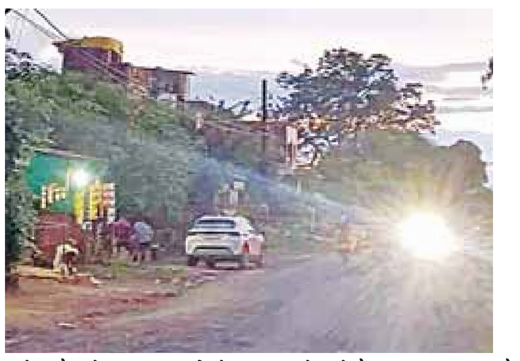

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से आये दिन जिला से लेकर स्थानीय अधिकारियों को जहां तहां पाइंट लगाते हुये वाहन चैकिंग करते हुये तो देखा जाता है। मगर इस तरह होने वाले चैकिंग अभियानों के दौरान अधिकारियों द्वारा क्या चैक किया जाता है यह समझ से परे होने से नही चूक पा रहा है..? क्योकि लोगो द्वारा जिस प्रकार से अपने वाहनों में नियम विरूद्व लाईट लगाई गये है वह आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने के साथ साथ सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी अधिकारियों को इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना वाहनों के खिलाफ किये जाने वाली चैकिंग मुहिम अपने आप ही औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक पा रही है...? क्योंकि वाहनों में लगे हुये तेज रोशनी वाले लाईटों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो जिस प्रकार से शाम होते ही सड़को पर आमजन को अपने छोटे वाहन चलाने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल होने से नही चूक पा रही है। हालत यह बन रहे है कि लोगों को वाहनों में लगाये जा रहे सफेद लाईटो के सामने पड़ते हुये दिखाई देना बंद हो जाता है। यही कारण सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ावा देने से नही चूक पा रहा है। हालत इस तरह देखने मिल रहे है कि दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों में जिस तरह सफेद लाईटों की भरमार बना रखी है वह अब आमजन के लिये भारी पड़ने के साथ साथ उनकी जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक पा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कंपनियों द्वारा खुद ही वाहनों में सफेद तेज रोशनी वाले लाईट लगाना शुरू कर दिया गया है। मगर इसके बाद भी वाहन जिस तरह मालिकों द्वारा अपने अतिरिक्त लाईट लगाये जा रहे है वह आमजन की जिन्दगी को खतरे में डालने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। सच्चाई पर गौर किया जावे तो रात के समय घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को मुख्य कारण वाहनों में अतिरिक्त रूप से लगे हुये यह सफेद रोशनी वाले लाईट कारण बनने से नही चूक पा रहे है..? क्योंकि मनमानी के चलते आटों सहित अनेक वाहनों में जिस प्रकार से एलईडी लाईट लगाये जा रहे है उसके चलते हाल यह बना हुआ है कि यदि रात के समय इन वाहनों के सामने कोई व्यक्ति आ जाता है तो उसकी आंखों पर लाईट पड़ते ही सामने कुछ दिखाई नही देता है और सामने वालो छोटे वाहन का चालक जहां का तहां खड़ा रहता है और दुर्घटना का शिकार बनने से नही चूक पाता है। इसी प्रकार की सच्चाई इस प्रकार से आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में देखने मिल रही है। कुछ दिनों पहले नगर में घटित हुई घटना के दौरान मोटर साईकिल चालक ने बताया कि जब वह पलोटन गंज के ओर जा रहा था और सामने से आ रहे आटों में तेज रोशनी वाले अतिरिक्त रूप में लगे हुये एलईडी लाईटों के चलते उसे कुछ नही दिख रहा था जिसके चलते उसने अपनी गाड़ी को वही रोक ली और आटों चालक ने सामने से टक्कर मारते हुये घायल कर दिया गया। इस तरह लोगों द्वारा अपने वाहनों में अपना शौंक पूरा करने के लिये मनमानी करते हुये जिस तरह नियम विरूद्व लगाये गये अतिरिक्त लाईट आमजनता के साथ साथ पशुओं के लिये भी खतरा बनने से नही चूक रहे है। मनमाने तौर से लोगों द्वारा अपने वाहनों में अतिरिक्त लाईटों की भरमार करने में रात के समय दौड़ने वाले आटों में सबसे अधिक देखी जा रही है। हाल यह बना हुआ है कि एक आटों में आधा आधा दर्जन लाईट लगे हुये है जो प्रतिदिन रात के समय शहर की सड़को से लेकर पुलिस थाने के सामने से गुजरने से नही चूकते है। मगर इसके बाद भी इनके खिलाफ किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न होने से इनके हौसले बुलंद होते चले जा रहे है। यह बात अलग है कि कुछ माह पहले स्थानीय स्तर पर पुलिस द्वारा इस तरह अतिरिक्त लाईटों वाले आटों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई थी जिससे कुछ हद तक अंकुश लगते हुये दिखाई देने लगा था। मगर इसके बाद कार्यवाही में शिथलता होने के चलते आटों चालक सहित अन्य वाहनों मालिकों के हौसले पुनः बुलंदियों में नजर आने लगे है। यह बात अलग है कि शासन प्रशासन आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये लगातार प्रयास करते हुये देखी जा रही है। मगर इसके बाद भी रात के समय घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यही है कि वाहनों में लगाये जाने वाली सफेद लाईटों के चलते यह घटनाये घटित होना आम बात हो चली है। मगर वाहन चैकिंग के दौरार परिवहन विभाग से लेकर पुलिस द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? आमजन का कहना है कि यदि सड़क दुर्घटनाओं पर कमी लाना है कि वाहनों में लगने वाली इन सफेद लाईटों पर अंकुश लगने की जरूरत है। यह बात अलग है कि जिन वाहनों में कंपनी द्वारा लाईट लगाये गये है उन्हें तो निकलवाना संभव नही है। मगर उन लाईटों को तो निकलवाया जा सकता है जो वाहन मलिकों द्वारा अपने वाहनों में अतिरिक्त रूप से मनमानी करते हुये लगाये जा रहे है..? आमजन द्वारा मांग की जा रही है कि दिन के समय पुलिस द्वारा जहां तहां चैकिंग पाईन्ट लगाते हुये ओवर लोडिंग व अन्य प्रकार की जांच की जाती है। इसी प्रकार के रात के समय भी इस तरह नियम विरूद्व वाहनों में लगाये गये अतिरिक्त तेज रोशनी वाले लाईटों के खिलाफ भी कार्यवाही शुरू करना चाहिये।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ियो में मंगल दिवस योजना बदहाल, सक्षम अधिकारियों की कार्यशैली पर खड़े हो रहे सवाल?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ अपने गंतव्य स्थानो पर पहुंचा तो दी जाती है, किन्तु उसके संचालन के लिए जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाती है वे पूरी तरह से लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है। कुछ ऐसा ही जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र की अनेक आंगनवाड़ियो मे देखने को मिल रहा है। जहां मंगल दिवस योजना अमंगल दिवस बनती हुई नजर आ रही है? दर असल आंगनवाडी केन्द्रो मे पोषण आहार योजनार्तगत हर माह के मंगलवार के दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। किन्तु इन कार्यक्रमो में भी जमकर पलीता लगाते हुए जान पड़ रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में जन चर्चाओं के माध्यम से मिल नही जानकारियों के अनुसार अनेक आंगनवाड़ियों में यह योजनाए बराबर संचालित नही होती है, जिसमें देखा जावे तो सबसे दयनीय हालत ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के आंगनवाडी केन्द्रों की है जहां न तो विभाग के अधिकारी और न ही कोई कर्मचारी निरीक्षण करने पहुंचता है? ऐसे में नाम मात्र की कार्रवाई कर दी जाती है। इन आंगनवाडियों की स्थिति की सच्चाई पर गौर किया जाए तो वे बदहाल स्थिति से जूझ रही है न वहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही सामान रखने की है। वही कुछ आंगनवाडी भवनों की हालत जर्जर हो चुकी तो कुछ टूटे मकानों में संचालन हो रहा है। इस तमाम बातो पर ध्यान तो ऐसे में योजनाओं का संचालन कैसा होगा यह स्वयं सिद्व है, पर्याप्त मात्रा में आने वाली राशि कब और किधर जा रही है इसका कोई पता भी नही, जिन कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए उसके लिए सामग्री भी नही मिलती ओर मिलती भी है तो गायब हो जाती है। आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चो, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं की देखभाल और उनके स्वास्थ्य मे सुधार लाने के लिए जो तैयारियां की गई है उसमे दिल चस्पी ना तो आंगनवाड़ियो की कार्यकर्तता और सहायिकाओं में है और ना ही अधिकारियों मे, आंगनवाडियों मे मंगल दिवस योजना पोषण आहार योजना वर्ष 2007-08 के तहत बनाई गई है, जिसके तहत हर माह के मंगलवार को अलग अलग कार्यक्रम करना है, प्रथम मंगलवार को गोद भराई, दूसरे मे अन्न प्राशन, तीसरे मे जन्म दिवस और चौथे मंगलवार को किशोर बालिका दिवस मनाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चो की उपस्थिति बढ़ाना, सुरक्षित प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्युदर मे कमी कुपोषण कम करना, किशोरी बालिकाओ को आयरन फोलिक ऐसिड व डी वार्मिंग की गोलिया वितरण करना है। मंगल दिवस योजना का क्रियान्वयन बराबर न होने से संबंधित क्षेत्रो में भी लोगो को इन केंद्रो पर भरोसा उठ रहा है, बदहाल और बच्चो को बराबर ध्यान न दिए जाने के चलते यहां कार्रवाई होना निहायत जरूरी हो गई है।

जंगल क्षेत्र में स्थापित हो रहे उद्योगों के चलते वन्यजीवों की जिन्दगी आई खतरे, जंगली जानवर कर रहे गांवों की ओर अपना रूख

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां गाडरवारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चीचली जंगल पट्टी सहित गोटीटोरियाँ क्षेत्र में अनेक प्रकार के जंगली जानवर निवास करते है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित हिरण, बारह सिंगा, मृगा के आलवा इस प्रकार के अनेक जीव निवास करते हुए देखे जाते है जो जरा से भी शोर गुल के कारण भयभीत होने से वह यहां वहां भटकने लगते है, जिसके कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते भी देखने मिल रही है? बताया जाता है कि इस क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते लगातार हो रहे शोर गुल के चलते जहां यहां पर निवास करने वाले हिरण, बारह सिंगा, चीतल मोर लगातर यहां वहां पर भटकते हुए दिखाई दे रहे है।

रेत खदान के पास वाहन की चपेट में आने से वृद्व महिला की मौत, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। क्षेत्र की सड़को पर जिस प्रकार बेलगाम गति व अनुभव हीन लोगों द्वारा ट्रेक्टर ट्राली दौड़ाये जा रहे है उसके चलते आम लोगों की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक रही है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये शनिवार की दोपहर समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले सीतारेवा नदी की रेत खदान बलदाऊ घाट के समीप देखने मिली है। बताया जाता है कि यहां पर ग्राम बांदरबरू निवासी एक लगभग 65 वार्षिय वृद्व महिला हरोबाई चौधरी अपने किसी काम से कही जा रही थी जहां पर वाहन की चपेट में आने के कारण उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही घटनाओं को लेकर मृतिका के परिजनों का आरोप है कि उसे रेत परिवहन करने वाले ट्रेक्टर ट्राली द्वारा टक्कर मारी गई जिसके चलते महिला की मौत हुई है..? वही दूसरी ओर घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के समाज सेवी सुरेन्द्र पटैल मझले भैया ने मौके पर पहुंचकर मृतिका के परिजनों से मुलाकात करते हुये घटना पर अपना विरोध जताते हुये कार्यवाही की मांग करने के साथ साथ मृतिका के परिजनों को सहायता राशि प्रदान करने की मांग की गई है। वही घटना के संबंध में डोगरगांव पुलिस का कहना है कि यहां पर किसी वाहन की चपेट में आने के चलते एक महिला की मौत होने की सूचना मिलने के चलते हमारी टीम ने मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है। इस मार्ग से रेत परिवहन करने के आलवा अन्य प्रकार के वाहनों व क्षेत्र के किसानों के ट्रेक्टर ट्राली भी निकलते है किस वाहन ने टक्कर मारी है इसकी जांच करते हुये कार्यवाही की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 'बाबड़ी उत्सव' आयोजन के दौरान जल संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज/चीचली। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकास खण्ड चीचली के तत्वावधान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से "बाबड़ी उत्सव" का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के परामर्शदाताओं एवं छात्र-छात्राओं सहित जनप्रतिनिधियों, संत-महात्माओं तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत रानी दुर्गावती की आर्थिक राजधानी रहे ऐतिहासिक चौगान किले के समीप स्थित प्राचीन बाबड़ी की स्वच्छता, रंगाई-पुताई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। इस मौके पर उपस्थित नागरिकों ने श्रमदान कर जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा सामूहिक रूप से जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित जल चौपाल में जल संकट की वर्तमान चुनौतियों, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुये वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। यदि आज जल स्रोतों का संरक्षण नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। बाबड़ी परिसर में भजन-पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं आरती का आयोजन कर जल को जीवन का आधार मानते हुए उसके संरक्षण का संकल्प लिया गया। वही उपस्थित जनसमुदाय को जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, जल के अपव्यय को रोकने तथा भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने हेतु प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में जनपद पंचायत चीचली की अध्यक्ष श्रीमती राधाबाई अहिरवार, श्रीराधा कृष्ण मंदिर चौगान के महंत सुरेश दास महाराज के आलवा जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा, विकासखण्ड समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे, के.एल. साहू, संतोष चौरसिया, श्रीमती नीरू राजपूत, सतीश, बृजराज कौरव, रामेश्वर वर्मा एवं कमलेश अहिरवार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।साथ ही नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं सीएमसीएलडीपी परामर्शदाताओं अभिषेक कौरव, पुखराज राजपूत, कुमारी राधा कीर, राकेश वाली सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, मातृशक्ति एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता कर जल संरक्षण को जन-जागरूकता का विषय बनाने तथा जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।"बाबड़ी उत्सव" के माध्यम से जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन और सामुदायिक सहभागिता का सशक्त संदेश जन-जन तक पहुंचा, जो जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों को सार्थक करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

एम्बुलेंस गाड़ियों के संचालन शासन के माददंडों के विपरीत हो रहा चालकों की मिलीभगत से निजी चिकित्सालय हो रहे मालामाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मरीजों को लाने ले जाने के लिये जहां म.प्र1 शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा तो हर शासकीय चिकित्सालय में एम्बुलेंस वाहन की सुविधा प्रदान की गई है। मगर देखा जाता है कि जब किसी गरीब व्यक्ति को एम्बुलेंस वाहन की जरूरत पड़ती है तो उसे इस वाहन की समय पर उपलब्धता हो जावे तो बड़ी बात मानी जा सकती है..? अक्सर देखा जाता है कि जब भी सरकारी एम्बुलेंस के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है तो यही सुना जाता है कि खराब पड़ी है या फिर मरीज को लेकर गई जो अभी वापिस नही लौटी है...? जब यह वाहन इस तरह की जगह में खड़ा दिखाई देता है कि आम लोगों की आसानी से नजर न पड़ सके। क्योंकि सरकारी एम्बुलेंस मरीजों के लिये निःशुल्क या फिर निर्धारित दर पर उपलब्ध होती है। इस प्रकार सरकारी एम्बुलेंस अनुपलब्धता के चलते में मरीजों को नगर के शासकीय चिकित्सालय परिसर के बाहर लाईन से खड़ी हुई इन एम्बुलेंसों की ओर रूख करना पड़ता है। गौर किया जावे तो जब किसी मरीज को नगर के सरकारी चिकित्सालय से जिला चिकित्सालय या फिर जबलपुर हेतु रेफर किया जाता है तो यह निजी एम्बुलेंस संचालकों द्वारा उस मरीज को सरकारी चिकित्सालय ले जाने के जगह किसी जिनी चिकित्सालय में लेकर पहुंचने से नही चूकते है? इस तरह एम्बुलेंस व निजी चिकित्सालय के संचालकों की मिली भगत के चलते आम जन को लूटने के लिये मजबूर होने की चर्चाये आम बात बन चुकी है? क्योंकि जब किसी मरीज को गंभीर स्थिति में गाडरवारा से बाहर के लिये रेफर किया जाता है तो उसके परिवार जन अपने मरीज की जिन्दगी में चिंता करते हुये देखे जाते है और वह यह निर्णय नही ले पाते है कि आखिरकार वह अपने मरीज को लेकर कहा किस चकित्सालय में जाये और इस मजबूरी का फायदा यह एम्बुलेंस संचालक उठाने से नही चूकते है। मरीज के साथ जाने वाले परिजनों को यह एम्बुलेंस संचालक इस तरह से भ्रमित करते हुये निजी चिकित्सालयों की ओर जाने के लिये प्रभावित करने में कोई कसर नही छोड़ते है। इस तरह एम्बुलेंस संचालकों की मिली भगत के चलते जहां नरसिंहपुर से लेकर जबलपुर के तथा कतिथ निजी चिकित्सालय संचालक माला माल होते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर एम्बुलेंस के नाम पर संचालित होने इन वाहनों में होने वाले अवैध कृत्यों की सच्चाई भी शायद किसी से छिपी नही होगी जिसमें जिले के अलग अलग स्थानों पर पूर्व में अवैध शराब हो या फिर सगौन की लकड़ी का परिवहन करते हुये पकड़े जाने की खबर आम बात रही है..? कुछ इसी तरह का हाल शासकीय एम्बुलेंस संचालकों का भी देखने मिल रहा है। इतना ही नही जब किसी व्यक्ति को एम्बुलेंस संचालन की शासन द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा एम्बुलेंस संचालन के लिये निर्धारित किये गये मापदंडों का पालन करते हुये ही अपनी एम्बुलेंस का संचालन किया जाना जरूरी होता है..? मगर इस समय क्षेत्र की सड़को पर दौड़ते हुये देखी जा रही कुछ एम्बुलेंसों की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो शायद ही चंद एम्बुलेंस शासन के माद दंडों का पालन करते हुये देखने मिल पायेगी..? अक्सर देखा जाता है कि यह एम्बुलेंस बगैर मरीज के भी शहर व क्षेत्र की सड़को पर सायरन बजाते हुये भ्रमण करते हुये आसानी से मिल सकती है। वही दूसरी ओर आये दिन तो यह तक देखा जाता है कि इन एम्बुलेंसों में सबारियों को बैठाने से भी यह लोग नही चूकते है। इतना नही एम्बुलेंस के नाम पर संचालित होने वाले इन वाहनों के परमिट से लेकर बीमा व अन्य कागजों की सच्चाई की जांच की जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली उजागर होने से नही चूक पायेगी? क्योंकि एम्बुलेंस के पर संचालित होने वाले इन वाहनों में आये दिन इस तरह की सामग्री परिवहन होते हुये देखी जाती है जो स्वास्थ्य विभाग के विपरित होने से नही चूक पाती है। बताया जाता है कि एम्बुलेंस का लेख कराते हुये इन वाहनों के संचालन कर्ताओं द्वारा इन वाहनों का दुरूपयोग करने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि गाडरवारा से मरीज को नरसिंहपुर या फिर जबलपुर ले जाने के लिये दर सूची निर्धारित की गई है। मगर इसके बाद भी इन एम्बुलेंस संचालकों द्वारा मरीजों के परिजनों से मनमानी राशि बसूलने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। आम जन द्वारा शासन प्रशासन से मांग की गई है कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में संचालित होने वाली सरकारी व निजी एम्बुलेंसों की दर सूची सार्वजनिक स्थल पर चस्पा कराने के साथ संचालित हो रही सभी एम्बुलेंसों की जांच की जावे जिससे यह बात उजागर हो सके कि वह एम्बुलेंस के

किसानों का पैसा हड़पते हुये गायब होने वाले वाले गुड भट्टी संचालक पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि गन्ना सीजन पर कुछ बाहरी लोगों द्वारा क्षेत्र में अपनी गुड भट्टी स्थापित करते हुये क्षेत्र के किसानों को गुमराह करते हुये उनका गन्ना खरीदने के बाद गायब होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा क्षेत्र में देखने मिली है जहां पर उत्तराखंड के एक गुड भट्टी संचालक द्वारा क्षेत्र के किसानों से लाखों रूपया की गन्ना खरीद करने के बाद बगैर भुगतान किये हुये गायब होने पर पुलिस द्वारा मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ग्राम सलैया निवासी प्रार्थी प्रदीप पिता श्याम लाल उर्फ गुड्डा जाटव द्वारा द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष आवेदन देते हुये बताया है कि सेवानिवृत्त टी.आई. रामप्रसाद चौधरी की भट्टी के ठेकेदार नौशाद पिता इलयास खान निवास-141, भारत नगर, महिंगराम, रूढ़की, जिला हरिद्वार, उत्तराखण्ड के किराये से रूपये 3,00,000 में लिया था और नौशाद ने एक चैक भी दिया था उसके बाद नौशाद लगातार भट्टी चलाता रहा और किसानों से गन्ना खरीदी करता रहा और गुड़ बनाता रहा। इस दौरान प्रार्थी द्वारा नौशाद को कुल रू. 1,04,000 रूपया का गन्ना दिया था, जिसमें मात्र रू. 20,000 रूपया का भुगतान किये जाने के बाद शेष राशि 84,000 का भुगतान नही किया गया। इसके आलवा क्षेत्र के अन्य किसानों में धनराज जाटव पिता दालचंद जाटव, निवासी तिगवां 30430/- राकेश रजक पिता आलम रजक,, 36,000 रूपया, कालूराम जाटव पिता टन्टूलाल जाटव, निवासी- बहरा के 34000 रूपया, महेश मेहरा पिता काशीराम मेहरा, निवासी सलैया 1,24,000 रूपया, लोकेन्द्र सिंह जाटव पिता रामप्रसाद जाटव, निवासी- सलैया के 1,61,000 रूपया, रामप्रसाद चौधरी पिता स्व. बालाराम चौधरी, निवासी- करहेया के (भट्टी किराया, बिजली बिल एवं उधारी का) बकाया राशि 5,08,000 रूपया। इस प्रकार कुल राशि लगभग रू. 9,76,000/- हम सभी किसानों को लेना थी, जो ठेकेदार नौशाद बिना किसी के बताये और बिना पैसे दिये भाग गया है। वही प्रार्थी का आरोप है कि जब उन्होंने ठेकेदार से संपर्क किया तो पहले पैसा देने की बात कहते रहा। मगर बांद में जाति सूचक शब्दों का उपयोग करते हुये गंदी गंदी गालिया देते हुये पैसा देने से मना करने लगा। इस तरह किसानों की खून पसीने की कमाई हड़पने वाले गन्ना गुड भट्टी के संचालक ठेकेदारके खिलाफ पुलिस द्वारा एससीएसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में बसयात्रियों को गर्मी से बचने के लिए नहीं है कोई साधन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय चल रही सूरज की तेज तपन के चलते जहां बस यात्रियों को परेशानी का सामना इसलिये करते हुये देखा जा रहा है क्योंकि भले ही सांईखेड़ा को तहसील का दर्जा मिलने के साथ साथ यहां पर नगर पंचायत, महाविद्यालय के आलवा अन्य सुविधाये मिल चुकी है मगर बस यात्रियों के लिये कोई ठोर ठिकाना नही मिल पाया है? इस तरह दादाधूनी वालों के नगर में बस स्टेन्ड के आभाव के चलते जहं बसयात्रियों को तपती हुई धूप तो बारिश के सीजन में भीगते हुये अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वही गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है, इस नगर में देखा जाता है कि बाहर से आने वाले यात्री पानी और छाँव की तलाश में इतने बडे नगर में किसी भी प्रकार से बस स्टेन्ड नही होने के कारण बस यात्रियों को सदा ही परेशान होते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि साईंखेड़ा में स्थाई बस स्टेण्ड एवं यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा न होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नर्मदा नदी के झिकोली पर पुल का निर्माण होने के कारण जहां यह क्षेत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल से जुड गया है जिसके चलते यहॉ से प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिलवानी, शाालाबरू,उदयपुरा, मेहरागॉव, सिरसिरी, रायसेन, भोपाल सहित अनेको यात्री बसे निकलते है एवं झिकोली के लिये लगभग 25 टायमिंग बसे निकलती है, परन्तु विभिन्न स्थानों के लिये जाने वाले बसयात्रियों को बसों के इंतजार के लिये सड़क पर पेड़ के नीचे या चाय पान की दुकानों पर बैठना पड़ता है। इस स्थिति में प्रमुख रूप से देखा जावे तो महिला बस यात्रियों के लिये ऐंसी स्थिति में सर्वाधिक परेशानी होती है, जिसमें यहां पर स्थापित ब्लाक कार्यालय, उत्कृष्ठ विद्यालय सहित महाविद्यालय की स्थापना हो जाने के कारण अनेक महिलाओं के आलवा छात्राओं द्वारा बसो के माध्यम से ही आना जाना किया जाता है। मगर वह बस स्टेण्ड पर न होने के कारण यहां वहां भटकते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर न तो महिलाओं के लिए यहां पर शौचालय है और न ही प्रसाधन की कोई सुविधा है जिसके कारण सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को भी ग्रहण लगने में कोई कसर बाकी दिखाई नही दे रही है। इस प्रकार के सच्चाई के चलते स्थानीय लोगो का कहना है कि यदि मवेशी बाजार क्षेत्र में यदि एक सुविधायुक्त बस स्टेण्ड बना दिया जाये तो नगरवासियों के लिये एक बड़ी सौगात मिल जायेगी, वही दूसरी ओर दूर दूर से आने वाले धूनी वाले दादा के भक्तों को भी सुविधा मिलेगी, जिसके चलते क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के लोगों द्वारा जनापेक्षा व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई जा रही है यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय एवं सुविधायुक्त बस स्टेण्ड की स्थापना की जाये।

खबर संक्षेप

हंसते-खेलते परिवार में पसरा मातम, नवविवाहित जोड़े ने खाया जहर, मौत

धरमपुर थाना अंतर्गत भकुरी का है मामला

करीब 3 साल पहले हुआ था विवाद घटना का कारण अज्ञात

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले से एक ऐसी दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। धरमपुर थाना क्षेत्र के भखुरी गांव में एक नवविवाहित जोड़े ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। अस्पताल ले जाते समय और इलाज के दौरान दोनों की ही मौत हो गई। इस दोहरे सुसाइड से हंसते-खेलते परिवार की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। घटना शनिवार की रात करीब 8 बजे पूरे परिवार ने एक साथ बैठकर हंसी-खुशी खाना खाया था। इसके बाद 25 वर्षीय सागर यादव और उसकी 23 वर्षीय पत्नी श्याम कली अपने कमरे में सोने चले गए। लेकिन कुछ ही देर बाद कमरे से अचानक चीखने-चिल्लाने और उल्टियां करने की आवाजें आने लगीं। परिजन जब कमरे में पहुंचे तो दोनों की हालत बेहद खराब थी। आनन-फानन में दोनों को अजयगढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ से गंभीर हालत में उन्हें पन्ना जिला अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन बदकिस्मती से पत्नी श्याम कली ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि पति सागर की मौत जिला अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। मृतक सागर चार बहनों का इकलौता भाई था और दोनों की शादी को महज 3 साल ही हुए थे। थाना प्रभारी अनिल राजपूत के मुताबिक, चूंकि मृतिका नवविवाहिता है, इसलिए मर्ग कायम कर पुलिस हर एंगल से मामले की बारीकी से तफ्तीश कर रही है। दोनों के शवों का आज पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आखिरकार इस आत्मघाती कदम के पीछे की असली वजह क्या थी, यह तो पुलिस जांच के बाद ही साफ हो पाएगा।

गायत्री महायज्ञ का आयोजन, हवन-पूजन एवं कन्या भोज संपन्न

पन्ना। नगर के जनकपुर स्थित अपने फार्म हाउस में जल संसाधन विभाग के पूर्व एसडीओ एलडी सिंह द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महायज्ञ का समापन हवन-पूजन के साथ संपन्न हुआ तथा कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। उपस्थित श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन में भाग लेकर आहुति अर्पित की तथा प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए गायत्री परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। उल्लेखनीय है कि सेवानिवृत्ति के बाद से एलडी सिंह गायत्री परिवार से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं ।

प्रभारी प्रचार्य शिक्षकों तथा बाबुओं के अटैच मेन्ट तत्काल किए जाएं समाप्त, तभी हो सकता है शिक्षा व्यवस्था में सुधार

पन्ना। जिले की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार हेतु जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गयी है वर्षो से जमे शिक्षक और बाबू मलाई दार शाखा में नियमविरुद्ध जमे हुए हैं जबकि इनके संलग्ननीकरण व प्रति नियुक्ति की समय सीमा होती है जो की 3 वर्ष निर्धारित है परन्तु बहुत से बाबू और शिक्षक कई वर्षों से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमे हुए हैं इनकी शाखा और प्रभार भी नहीं बदले गए हैं शासन के आदेश हैं की कोई भी शिक्षक संलग्न नहीं रहेगा परन्तु जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं।कोई कार्यवाही नहीं हुई है नवागत जिला शिक्षा अधिकारी अनिल तलैया को इस दिशा में कठोर कदम उठाने होंगे तथा शासन के नियम अनुसार संलग्न कारण खत्म करते हुए संबंधित शिक्षकों तथा लिपिक को अपनी अपनी पदस्थापना स्थान पर भेजना चाहिए जिससे शैक्षणिक व्यवस्था सुधार हो सके कलेक्टर सिनेमा तुमसा परमार द्वारा इसीलिए डिप्टी कलेक्टर अनिल तलैया को शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया था जिससे जिले की शिक्षा व्यवस्था सुधारी जा सके श्री तलैया को कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

मेहंदवानी सीएचसी की बदहाल व्यवस्था उजागर, जनरेटर और सीसीटीवी मिले बंद

तहसीलदार के औचक निरीक्षण में सामने आईं गंभीर खामियां

हरिभूमि न्यूज मेहंदवानी।

ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के सरकारी दावों की पोल शनिवार को मेहंदवानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में हुए औचक निरीक्षण के दौरान खुल गई। तहसीलदार तेजी लाल ने अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जहां कई गंभीर खामियां सामने आईं। अस्पताल में जनरेटर और सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद पाए गए, जिससे स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य केंद्र को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के मद्देनजर तहसीलदार अचानक अस्पताल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में मरीजों को राहत देने वाला जनरेटर बंद पड़ा है। इसके कारण वार्डों में भर्ती मरीजों, प्रसूताओं और नवजात शिशुओं को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अस्पताल परिसर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से निष्क्रिय हैं। इससे अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसी भी अप्रिय घटना, विवाद अथवा चोरी की निगरानी करना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं पाई गई।अस्पताल की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए तहसीलदार तेजी लाल ने मौके पर मौजूद खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. रणमत परस्ते एवं संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि बंद पड़े जनरेटर और सीसीटीवी कैमरों को तत्काल चालू कराया जाए तथा पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को शीघ्र दुरुस्त किया जाए। साथ ही भविष्य में लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

इस पूरे मामले ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, जिससे मरीजों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।तहसीलदार की कार्रवाई के बाद अब क्षेत्रवासियों की नजर स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हुई है। लोगों को उम्मीद है कि अस्पताल की खामियों को दूर कर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को बेहतर और सुरक्षित चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

जनकल्याण शिविर में 120 आवेदनों का निराकरण, स्व-सहायता समूहों को 18 लाख रुपये की सहायता

डिंडोरी। जिला पंचायत प्रांगण में जनपद पंचायत डिंडोरी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया तथा उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया।कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा शहपुरा विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कुल 120 आवेदनों का निराकरण किया गया, जिनमें 90 सम्बल पंजीयन, 15 श्रमयोगी मानधन, 10 खसरा प्रतिलिपि तथा 5 आजीविका मिशन से संबंधित आवेदन शामिल रहे। आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 18 लाख रुपये की सीएलएफ राशि भी वितरित की गई। शिविर में लगभग 700 ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और लाभ उठाया।इस अवसर पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांश चौधरी, एसडीएम भारती मेरावी, जनपद पंचायत सीईओ प्रमोद ओझा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनकल्याण शिविर का समापन, सांसद ने वितरित किए हितलाभ

अमरपुर, डिंडोरी। जनपद पंचायत अमरपुर में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का समापन सांदीपनि विद्यालय परिसर में किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।समापन अवसर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों की गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों को योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र एवं लाभ सामग्री का वितरण भी किया गया।कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रीतम मरावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष हन्नु सिंह पट्टा, सरपंच रामनाथ उइके सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

धर्मांतरण प्रयास मामले में 7 दोषी करार, अदालत ने सुनाई कारावास व अर्थदंड की सजा

डिंडौरी।

जिले के समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरिया में कथित रूप से प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने तथा धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डिंडौरी श्री शिव कुमार कौशल की अदालत ने सात आरोपियों को दोषी ठहराया है। न्यायालय ने सभी दोषियों को विभिन्न धाराओं के तहत कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया है।अभियोजन के अनुसार ग्राम पिपरिया निवासी अंगद सिंह मरावी ने 27 अप्रैल 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोग उसके रिश्तेदार सुदय मरावी के घर पहुंचकर उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों द्वारा आर्थिक सहायता, गरीबी से मुक्ति एवं अन्य लाभों का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जा रहा था।प्रकरण के अनुसार घटना वाले दिन आरोपीगण सुदय मरावी के घर पहुंचे और कथित रूप से धर्म परिवर्तन करने पर आर्थिक लाभ मिलने तथा

जीवन की परेशानियां दूर होने की बात कही। विरोध किए जाने पर हिंदू धर्म एवं देवी-देवताओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने तथा धर्म परिवर्तन नहीं करने पर परेशान करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया।शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए, 295-ए तथा मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। जांच के बाद प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।विचारण के दौरान फरियादी सहित कई प्रत्यक्षदर्शी गवाहों ने न्यायालय के समक्ष बयान दर्ज कराए। अभियोजन पक्ष ने धार्मिक पुस्तकों, दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों को भी प्रस्तुत किया। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपियों को दोषी पाया।न्यायालय द्वारा संतोष परस्ते, संजय मरकाम, अमित कुमार, प्रमोद सिंह, करन सिंह मरावी, छोट सिंह धुर्वे तथा जीत सिंह को दोषसिद्ध घोषित किया गया। सभी दोषियों को धारा 153-ए एवं 295-ए सहपठित धारा 34 के तहत तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के अंतर्गत दोषियों को पांच वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक-एक लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड जमा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।अपने निर्णय में न्यायालय ने कहा कि प्रस्तुत साक्ष्यों से यह सिद्ध होता है कि आरोपियों ने प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने तथा धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने का प्रयास किया। न्यायालय ने अभियोजन द्वारा लगाए गए आरोपों को संदेह से परे प्रमाणित माना।प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक आर.के. दुबे एवं अधिवक्ता आकाश यादव ने पैरवी की।

राजनीतिक विवाद के बीच बजाग आईटीआई का शुभारंभ, विधायक ओमकार मरकाम ने किया उद्घाटन

बजाग/डिंडौरी।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बजाग का सोमवार को विधिवत शुभारंभ कर दिया गया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय विधायक ओमकार मरकाम ने फीता काटकर संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष राधेश्याम कुशराम, जनपद सदस्य लोकेश पटेरिया सहित जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।आईटीआई भवन के शिलालेख को लेकर पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक विवाद बना हुआ था। शिलालेख में कुछ जनप्रतिनिधियों के नाम शामिल नहीं किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई गई थी, जिसके चलते कार्यक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति भी बनी रही। इसके बावजूद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संस्थान का उद्घाटन संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा के पूजन-अर्चन के साथ हुई। उद्घाटन के बाद विधायक ओमकार मरकाम ने कहा कि तकनीकी शिक्षा किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है। उन्होंने कहा कि बजाग जैसे आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्र के युवाओं को अब रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। आईटीआई के माध्यम से उन्हें तकनीकी दक्षता हासिल करने और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।उन्होंने कहा कि कुशल युवा देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह संस्थान क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

विधायक ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए समय के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के साथ प्राप्त की गई शिक्षा ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने चाहिए, जिससे वे अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकें।अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं से नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, प्रतिभा और भविष्य को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को सकारात्मक सोच और रचनात्मक कार्यों की ओर अग्रसर होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। विधायक सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।इस अवसर पर आईटीआई प्राचार्य विजय केशरवानी, मंडल अध्यक्ष अंकित ठाकुर, संगठन मंत्री उत्तम ठाकुर, सचिन नंदा, मानिक मरावी, सुकृत मरावी, पप्पू पांडे, मंगलेश्वर नंदा सहित संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।क्षेत्रवासियों ने आईटीआई के शुभारंभ को बजाग क्षेत्र के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

जन कल्याण 2026 शिविर का सफल समापन 27 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में नगर परिषद डिंडोरी परिसर में 12 से 14 जून तक आयोजित जन कल्याण 2026 शिविर का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस ने की। इस अवसर पर परिषद के सभापति, पार्षद एवं एल्डरमेन सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।समापन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के 12, नवीन नल कनेक्शन के 6, पीएम स्वनिधि योजना के 6, पात्रता पर्ची के 2 तथा संबल अनुग्रह सहायता योजना के 1 हितग्राही को लाभ प्रदान किया गया। इस प्रकार कुल 27 हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जन कल्याण शिविरों का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा पात्र व्यक्तियों तक शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से विभिन्न शासकीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में पार्षद रजनीश राय, रीतेश जैन, ज्योतिरादित्य भलावी, श्रीमती स्मिता बर्मन, एल्डरमेन सुदील बरमैया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, निकाय के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक एवं हितग्राही उपस्थित रहे।अंत में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जन कल्याण 2026 शिविर के सफल आयोजन का समापन किया गया।

जर्जर मकान में रहने को मजबूर आदिवासी परिवार, पीएम आवास का इंतजार

अमरपुर, डिंडोरी। शासन की आवासीय योजनाओं के दावों के बीच ग्राम पंचायत अमरपुर के आदिवासी हितग्राही गेंद सिंह बनवासी अपनी वृद्ध मां प्रेमवती बनवासी के साथ जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर हैं। मकान की मिट्टी की दीवारें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं तथा छत भी काफी जर्जर अवस्था में है, जिससे बरसात के मौसम में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।ग्रामीणों के अनुसार परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और प्रधानमंत्री आवास योजना का पात्र हितग्राही होने के बावजूद अब तक योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। इस संबंध में ग्रामीणों एवं युवाओं ने सरपंच को आवेदन देकर शीघ्र आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।सरपंच रामनाथ उदे ने बताया कि वर्तमान में नए पीएम आवास स्वीकृत नहीं हो रहे हैं, लेकिन योजना शुरू होते ही प्राथमिकता के आधार पर आवास स्वीकृत कराने का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से बरसात से पहले परिवार को राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

पोहा लेने रुके युवक को मारी टक्कर, पेट्रोल पंप के पास दो बाइकों की भीषण भिड़ंत में तीन गंभीर घायल

अमानगंज-हिनौती मार्ग पर हादसे से मचा हड़कंप, छोटू राजा का पैर टूटा

अमानगंज।

अमानगंज-हिनौती रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार को उस समय जोरदार सड़क हादसा हो गया, जब दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर जा गिरे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, याज्ञवेंद्र उर्फ छोटू राजा बुंदेला (30 वर्ष) निवासी कंचौरा अमानगंज से अपने घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि वह पेट्रोल पंप के पास पोहा लेने के लिए रुके थे। इसी दौरान किशनगढ़ की ओर से अमानगंज आ रही मोटर साइकिल, जिस पर कल्लू आदिवासी (19 वर्ष) एवं विजूलाल आदिवासी (16 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम मरहा सवार थे, उनकी बाइक से जा भिड़ी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 अमानगंज की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक विश्वास शुक्ला एवं पायलट कैलाश दहायत ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद याज्ञवेंद्र उर्फ छोटू राजा के पैर में फ्रैक्चर होने पर उन्हें कटनी रेफर कर दिया, जबकि कल्लू आदिवासी और विजूलाल आदिवासी को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल पन्ना भेजा गया है।

हादसा अमानगंज

हिनौती मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के सामने हुआ, जिसके बाद कुछ देर तक क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना शनिवार रविवार की दारमनी रात्रि की बताई जा रही है मामले की जानकारी रविवार की सुबह 10 बजे सामने आई है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 15 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

जिला चिकित्सालय में अनियमितता का दौर जारी

ओपीडी पर्ची में राशि अंकित ना होने से उठ रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा लोगों को उत्तम स्वास्थ्य व्यवस्था देने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का कार्य करते रहते है। ऐसा ही मामला जिला चिकित्सालय से सामने आया जहां पर उपचार कराने आए मरीजों से 10 रुपए ओपीडी पर्ची काटने के नाम पर लिए जा रहे है। अस्पताल में ओपीडी पर्ची वितरण को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। मरीजों और उनके परिजनों ने दावा किया है कि पर्ची काउंटर पर कर्मचारियों ने 10 रुपए वसूले जा रहे हैं, जबकि कंप्यूटर से जारी पर्ची में शुल्क राशि 0 रुपए दर्ज है। मरीजों व उनके परिजनों ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने पर उनसे ओपीडी पर्ची के लिए 10 रुपए लिए। हालांकि, उन्हें जो पर्ची दी गई, उसमें कोई शुल्क दर्ज नहीं था। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि राशि ली जा रही है, तो उसका उल्लेख पर्ची में क्यों नहीं किया जा रहा।

पर्ची की पारदर्शिता पर सवाल

जिला चिकित्सालय उपचार हेतु आने वाले मरीजों व उनके परिजनों से ओपीडी पर्ची बनाने के नाम पर 10 रूपए लिए जा रहे है। वही मरीजों को दी जाने वाली पर्ची में शुल्क शून्य दशाई जा रही है जिससे ओपीडी पर्ची की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे है। मौके पर उपस्थित मरीजों ने आरोप लगाया कि उनसे निर्धारित शुल्क के नाम पर नकद राशि ली गई, जबकि जारी पर्ची में शुल्क शून्य दर्शाया गया। इस स्थिति से अस्पताल की शुल्क व्यवस्था और राजस्व रिकॉर्ड को लेकर संदेह उत्पन्न हो रहा है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि यदि अस्पताल प्रशासन नियमानुसार शुल्क वसूल रहा है, तो उसका स्पष्ट उल्लेख पर्ची में होना चाहिए। इससे भुगतान का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा और पारदर्शिता बनी रहेगी। पर्ची में शून्य शुल्क दर्ज होने से वसूली गई राशि की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए आने वाले मरीजों से ली जाने वाली राशि शासन व अस्पताल प्रबंधन किस मद में जमा कराता है या उक्त राशि का हिसाब किताब कैसे होता होगा। सवाल यह भी है कि मरीजों के साथ आने वाले परिजनों द्वारा जमा की जाने वाली राशि का ब्यौरा रोगी कल्याण समिति के पास कैसे पहुंचता है या फिर उक्त राशि को काउंटर पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा गोलमाल कर दिया जाता है। उक्त मामले को लेकर कई प्रकार के सवाल उत्पन्न हो रहे है प्रशासन को चाहिए की मामले की गंभीरता से जांच की जाए तथा मरीजों एवं परिजनों को विधिवत शुल्क की रसीद प्रदान की जावे। वही लोगों मे यह भी चर्चा है कि प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी उक्त राशि का बंदर बांट कर लेते होगें। इस मामले को लेकर मरीजों ने जिला प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए।

आखिर कब सुधरेंगी व्यवस्थाएं

जिला चिकित्सालय आए दिन अपने कारनामों के कारण चर्चा में बना रहता है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के कानों जूं भी नहीं रेंगती है। जिला चिकित्सालय में कभी डॉक्टरों की कमी तो कभी व्यवस्थाओं में कमी तो कभी स्टाफ द्वारा अभद्रता या पैसों की मांग करना व साफ सफाई ना होना ऐसे कारनामे आए दिन सामने आते रहते है। सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नही खुल पा रही है। जबकि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सजग है तथा स्वास्थ्य व्यवस्थाओं मे कमी ना हो इसके लिए भरपूर वजट भी प्रदान कर रही है। प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी सरकार के मंसूबो पर पलीता लगाने में तुले हुए। प्रशासन को चाहिए कि अस्पताल में दी जाने वाली पर्ची व अन्य कार्रवाई की सूक्ष्मता से जांच कर दोषियों पर ठोस कार्रवाई जाए जिससे लोगों को जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर विश्वास बना रहे।

खबर संक्षेप

छात्रा ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

नरसिंहपुर। शनिवार - रविवार की दरमियानी रात थाना क्षेत्र कोतवाली के सदर शास्त्री वार्ड में नाबालिग छात्रा का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर मिला। छात्रा 12वीं कक्षा में पढ़ती थी। जानकारी के अनुसार, छात्रा अपने घर में फंदे पर लटकी मिली। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को फंदे से नीचे उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस कारण आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

24 घंटे में चोरी का खुलासा, चोरी गए 5 लाख के आभूषण बरामद

नरसिंहपुर। बीते दिवस थाना कोतवाली में प्रार्थी ने अपने घर से सोने एवं चांदी के आभूषण चोरी होने की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज कराई गई। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 421/2026 धारा 331 (4), 305 (ए) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए तथा घटनास्थल पर उपलब्ध परिस्थितिजन्य साक्ष्यों एवं अन्य तकनीकी जानकारियों का गहन विश्लेषण किया गया। मुखबिर सूचना के आधार पर दो विधि उल्लंघन कारी बालकों को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में उनके द्वारा चोरी की घटना करना स्वीकार किया गया। उनकी निशानदेही पर चोरी गए सोने एवं चांदी के आभूषण, जिनमें सोने का पैंडल, गुरिया, मनचली, दो अंगूठियां, नथ, बेंदी एवं चांदी की पायल शामिल हैं, कुल लगभग 05 लाख रुपये मूल्य का मशरूका बरामद किया गया। दोनों विधि उल्लंघन कारी बालकों को विधिवत कार्यवाही उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी, निरीक्षक, उनि अभिषेक पटेल, वरि.आर. राजेश बागरी, आरक्षक प्रहलाद माधवे, रोहित चन्पुरिया, महेन्द्र सिंह, महिला आरक्षक कुमुद पाठक एवं नगर रक्षा समिति सदस्य शुभम मालवीय की सराहनीय भूमिका रही है।

कृषि प्रधान जिले में नए पेट्रोल-डीजल नियम से किसान परेशान

गोटेगांव। कृषि प्रधान जिले में पेट्रोल-डीजल के नए नियम से किसानों और छोटे ठेकेदारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नियम के मुताबिक अब ट्रैक्टर-वाहन को पंप पर लाने पर ही डीजल-पेट्रोल दिया जाएगा। इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।किसानों का कहना है कि खेतों में काम कर रहे ट्रैक्टर को डीजल के लिए पंप तक लाने-ले जाने में अतिरिक्त डीजल खर्च हो रहा है। पंप पर भी सीमित मात्रा में डीजल मिलने से खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं।मिक्सर-वाइब्रेटर मशीन तक कैसे पहुंचे डीजलछोटे ठेकेदारों का कहना है कि निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली मिक्सर मशीन, वाइब्रेटर और अन्य उपकरणों को पंप तक ले जाना संभव नहीं है। ऐसे उपकरणों के लिए कैन में डीजल-पेट्रोल देना जरूरी है। डीजल नहीं मिलने से कई विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।किसानों का तर्क है कि यह नियम औद्योगिक क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन कृषि प्रधान जिले में किसानों की जरूरतों के अनुसार व्यवस्था होना चाहिए।इनका कहनानगर खरया पंप संचालक प्रसन्न खरया ने कहा,श्राजपत्र में जो प्रकाशन हुआ है, हम सभी पंप संचालक उसी का पालन कर रहे हैं। शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल का वितरण किया जा रहा है। हम अपनी मर्जी से कोई नियम नहीं बना रहे।

विद्युत पेंशनरों ने जल सत्याग्रह कर किया विरोध

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार की अनदेखी से नाराज बिजली विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी 26 वर्षों से लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कर्मचारी जनता यूनियन (नरसिंहपुर) के बैनर तले शनिवार 14 जून को नरसिंहपुर जिले के विद्युत पेंशनरों ने बरमान स्थित पवित्र नर्मदा तट पर जल सत्याग्रह के माध्यम से अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। यह अनोखा प्रदर्शन महासचिव विजय चैकसे के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग पेंशनरों ने पानी में खड़े होकर दोनों राज्य सरकारों का ध्यान आकर्षित किया। जल सत्याग्रह के दौरान दोनों सरकारों से मुख्य रूप से धारा 49 को हटाने, पृथक पेंशन फंड बनाने, पेंशन का भुगतान सीधे कोषालय से करने, पेंशन की कानूनी गारंटी देने और रोके गए महंगाई भत्ते के एरियर्स का तत्काल भुगतान करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए महासचिव विजय चौकसे ने सरकार को दो टूक चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस भीषण महंगाई के दौर में वरिष्ठ पेंशनरों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा महंगाई भत्ते की घोषणा किए जाने के बावजूद मध्य प्रदेश सरकार इसे समय पर लागू नहीं करती, जिससे पेंशनरों का कई महीनों का एरियर्स लंबित पड़ा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि घोषणा तिथि से ही एरियर्स का भुगतान कर बुजुर्गों को राहत दी जाए। यूनियन के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष ओपी सोनी ने इस जल सत्याग्रह को सफल बनाने के लिए बरमान नर्मदा तट पर पहुंचे सभी जागरूक और वरिष्ठ पेंशनर कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हक और सम्मान की इस लड़ाई में कर्मचारी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि पेंशनरों की यह गूंज दोनों सरकारों के कानों तक पहुंचेगी और वर्षों से लंबित मांगों पर त्वरित और सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

निर्वाचन प्रक्रिया पर कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

रविवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल द्वारा कहा गया कि सुश्री मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन निरस्ती को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव से नहीं चलता, बल्कि निष्पक्ष चुनाव से चलता है। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सुश्री नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना केवल एक उम्मीदवार के साथ अन्याय का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया, निष्पक्ष चुनाव और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार है। श्रीमती पटेल ने पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि जिस प्रकार की आपत्तियों और व्याख्याओं के आधार पर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया गया, उसने पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। आपने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, मध्य प्रदेश प्रभारी हरीश चैधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद डॉ. विवेक तन्खा तथा वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी सहित कांग्रेस नेतृत्व ने लगातार यह प्रश्न उठाया है कि क्या चुनावी प्रक्रिया कानून के अनुरूप संचालित होगी या राजनीतिक दबावों के अनुरूप। आपने बताया कि जिस निजी परिवाद का उल्लेख किया गया है, उसमें मीनाक्षी नटराजन को अभियुक्त नहीं बल्कि प्रतिवादी के रूप में दर्शाया गया है। प्रतिवादी और अभियुक्त की कानूनी स्थिति अलग-अलग होती है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33 और फॉर्म-26 की व्यवस्था का उद्देश्य उन आपराधिक मामलों की जानकारी प्राप्त करना है जिनमें उम्मीदवार के विरुद्ध विधिवत आपराधिक कार्यवाही चल रही हो तथा कानून के अनुरूप आवश्यक प्रकटीकरण अपेक्षित हो। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि जिस आधार को नामांकन निरस्त करने का कारण बनाया गया, वह इन प्रावधानों की भावना और व्याख्या से मेल नहीं खाता। यदि किसी उम्मीदवार के नामांकन को ऐसे आधारों पर निरस्त किया जाता है जिनकी स्पष्ट अपेक्षा नामांकन प्रपत्र में नहीं है, तो यह भविष्य में किसी भी उम्मीदवार के लिए अनिश्चितता और मनमानी की स्थिति पैदा कर सकता है। कांग्रेस पार्टी मानती है कि मीनाक्षी नटराजन जैसी साफ-सुथरी छवि, वैचारिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के लिए समर्पित नेता को चुनावी प्रक्रिया से बाहर किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उक्त मौके पर सुरेंद्र पटेल, सतीश सेनी, संजय कौरव आदि मौजूद रहे।

बारिश से तापमान में आई गिरावट आंधी तूफान से गिरे पेड़, यातायात हुआ बाधित

हरिभूमि न्यज - नरसिंहपुर।

जिले में तेज आंधी के साथ प्री मानसूनी बारिश के आगाज ने लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत देने के साथ अच्छी बारिश की उम्मीद बढ़ा दी है। लेकिन तेज आंधी के दबाब में जगह-जगह गिर रहे पेड़ों के कारण सडकों के साथ ही शहरी-ग्रामीण इलाकों में जोखिम बढने लगा है। शुक्रवार की शाम से रात तक जहां जिले भर में कई स्थानों पर जोरदार बारिश हुई और आंधी ने नुकसान किया। वहीं शनिवार की शाम भी अचानक बदले मौसम के साथ गरज-चमक के साथ बारिश हुई, आंधी चलने से कई जगह विशालकाय पेड़ गिरने के कारण रास्ते जाम हो गए। मौसम की खराबी ने बिजली की आपूर्ति को भी बिगाड़ दिया। जगह-जगह फाल्ट बने तो मौसम खुलते ही विभाग का अमला सुधार कार्य में जुटा। दो दिन में हुई थोड़ी देर की बारिश में ही कई जगह जलभराव के साथ ही कीचड़-फिसलन की समस्या भी बढने लगी है। शनिवार को सुबह से उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। लेकिन दोपहर करीब 4 बजे से मौसम में अचानक बदलाव आया और पहले धूल भरी तेज आंधी चली, इसके बाद गरज-चमक के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया। तेज आंधी के कारण नगरपालिका कार्यालय के सामने एक पेड़ गिरने से किनारे खड़ी एंबुलेंस चपेट में आ गई, जिसे बामुश्किल पेड़ हटाकर सुरक्षित किया गया। वहीं हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भी एक पेड़ गिर गया, गनीमत रही कि जहां पेड़ गिरा वहां कोई नहीं था। इसी तरह हाइवे क्रमांक 44 से चांवरपाठा होकर डोभी जाने वाले मार्ग पर जनपद भवन के पास बरगद का एक विशालकाय पेड़ गिरने से मार्ग बाधित हो गया। लोगों ने कहा कि आंधी चलने से मार्ग पर आवागमन कम था, यदि सामान्य मौसम में पेड़ गिरता तो बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। काफी देर तक पेड़ मार्ग पर ही पड़ा रहा, लोगों को निकलने में काफी परेशानियां रहीं। बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्र में कई जगह तेज आंधी से शेड, छप्पर उडने से लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं कई किसानों की खेतों में कटकर रखी फसल भी बारिश से प्रभावित हुई है। नगर के राजीव वार्ड स्थित इतवारा बाजार रोड पर जगह-जगह बारिश का पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में परेशानी होने लगी है। यहां बाजार में जहां दुकानें लगती हैं वहीं पर रोड के काफी हिस्से में पानी जमा है, जो यहां से निकलने वाले वाहनों के कारण उचटकर राहगीरों के कपड़े खराब कर रहा है। वहीं कॉलेज के आसपास भी कुछ जगह पानी जमा हो गया है। इस रोड से जुड़े व्यापारी, नागरिक कहने लगे हैं कि यदि यहां जल्द रोड का कार्य पूरा करते हुए पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो बारिश के दिनों में यहां से निकलना मुश्किल हो जाएगा।

भीमकुण्ड में डूबे दो युवक, तलाश जारी

नरसिंहपुर। गत दिवस बरमान सतधारा स्थित नर्मदा नदी के भीमकुंड में नहाने आए दो युवक गहरे पानी में डूब गए। जिनकी तलाश की जाती रही। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया है और राहत कार्य प्रारंभ किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आगरा निवासी आजाद सिंह उम्र 24 वर्ष और राजस्थान निवासी छोटू गोस्वामी उम्र 30 वर्ष करेली क्षेत्र में चल रहे रेलवे के विद्युतीकरण कार्य से जुड़े हुए थे। रविवार की छुट्टी होने के कारण वे अपने करीब एक दर्जन साथियों के साथ पिकनिक मनाने और नहाने के लिए सतधारा घाट पहुंचे थे। नहाने के दौरान कुल तीन युवक भीमकुंड के अत्यंत गहरे और खतरनाक हिस्से की चपेट में आ गए थे और डूबने लगे। इसी दौरान वहां छोटी नाव में नर्मदा जी में चढ़े हुए नारियल को पकड़ने के लिए घूम रहे एक स्थानीय नाविक की नजर उन पर पड़ी। नाविक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत नाव आगे बढ़ाई और डूब रहे तीन युवकों में से एक को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया। हालांकि, आजाद और छोटू को नहीं बचाया जा सका और वे गहरे पानी में लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही करेली थाना पुलिस, होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीमें गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचीं। भीमकुंड के चारों ओर बड़ी-बड़ी चट्टानें और पानी के भीतर गहरी दरारें होने के कारण यहां रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। तमाम दिक्कतों के बावजूद बचाव दल द्वारा देर शाम तक लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन युवकों का कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस ने दोनों लापता युवकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

मेहरा समाज का भव्य सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह 28 जून को

गोटेगांव। मेहरा समाज ट्रस्ट द्वारा 28 जून, रविवार को आयोजित होने वाले भव्य सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह के लिए जबलपुर से आए समाज के पदाधिकारियों ने स्थानीय समाजजनों को आमंत्रित किया।बगासपुर बाइपास स्थित सतीश मेहरा के निवास पर आयोजित बैठक की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।जबलपुर से आए समाज के पदाधिकारी भूपेन्द्र मेहरा एवं जमना प्रसाद मेहरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए गोटेगांव के समाजजनों को आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह होंगे।मेहरा समाज महासभा एवं मेहरा समाज महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। अंत में प्रमोद झारिया ने आभार व्यक्त किया।

किशोर संस्कार शिविर का समापन, बच्चों को बांटे गए प्रमाण पत्र

गोटेगांव। नगर के समीप ग्राम बगासपुर स्थित श्री सत्यसरोवर आसन में आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क आवासीय किशोर संस्कार शिविर का रविवार को समापन हुआ।समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री भगत जालम सिंह पटेल ने विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।12 से 14 जून तक चले इस शिविर में किशोर-किशोरियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा, योग, अनुशासन एवं व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिदिन योगाभ्यास, प्रार्थना, संस्कार शिक्षा, प्रेरक प्रसंग और समूह चर्चा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।अपने संबोधन में भगत जालम सिंह पटेल ने कहा कि बच्चों में संस्कार और नैतिक मूल्यों का विकास समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों को माता-पिता, गुरुजनों और समाज के प्रति सम्मान का भाव रखने की प्रेरणा दी।समारोह में हाकम सिंह चढ़ार, थम्मन सिंह शर्मा, प्रदीप पटेल, जितेंद्र पाराशर, रम्मू पटेल, निलेश भगत, गित्तू विश्वकर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अन्न दान से बढ़कर कोई दान नहीं

तेंदूखेड़ा। सनातन संस्कृति में दान की अपनी अलग अलग महिमा है। लेकिन अन्न दान सबसे श्रेष्ठ संतुष्टि दान है।घर में आने वाले कोई भी व्यक्ति को काफी भूखा वापस नहीं जाने देना चाहिए। और दरवाजे पर आने वाले मांगने वाले व्यक्ति को भी दान जरुर देना चाहिए। शब्दों और सम्मान का अपना एक एक दान है।घर में आने वाले व्यक्ति से प्रेम के बोल बोलने से उसकी आत्मा तृप्त हो जाये यह भी एक दान की ही श्रेणी में आता है।शब्द रुपी बोल से आत्मीयता का भाव झलकना चाहिए। अपनी बोली बोलचाल जहर ना बनें इसका ध्यान रखें। उक्त अमृत बचन देवरी राजमार्ग में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के माध्यम से पं विपिन विहारी महाराज ने व्यक्त किए। कथा के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए स्पष्ट किया कि हर व्यक्ति को दादी नानी मौसी बुआ बहिन और पत्नी जरुर चाहिए लेकिन बेटी किसी को नहीं चाहिए।जो व्यक्ति या डाक्टर भ्रूण में बेटी मारता है उसे गंभीर बीमारियों से ग्रसित होकर मरना पड़ता है।संगति और सत्संग पर चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि हमेशा अच्छे विचारों वाले लोगों की संगत और अच्छे संत का सत्संग कभी व्यर्थ नहीं जाता है। **मन में बैठे कंस को मारो**- श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए कंस के द्वारा अपने बहिन बहनोई को कारागाह में डालने का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस घर में माता पिता के मान सम्मान और बातचीत करने से बोलना बंद करवा दिया जाये। बहिन और मां पत्नी के आंखों से आंसू गिरने लगे।

नर्मदा तटों की साफ सफाई

तेंदूखेड़ा। नर्मदा को साफ स्वच्छ रखने और संरक्षण की दिशा में पावन तटों पर जाकर शिवा जी और शिवशक्ति क्लब द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा और अमावस्या पर स्नान करने जाने वाले श्रद्धालुओं नारियल फूल बेलपत्री और बिना उपयोग के वस्त्र तथा दूषित पानी एवं निर्माल सामग्री को मां नर्मदा जी के जल में डाल दिया जाता है। जिसके कारण अथाय जल राशि और मां नर्मदा के किनारे दूषित हो रहे हैं।ऐसी स्थिति में शिवाजी फाउंडेशन क्लब अध्यक्ष महेंद्र सिंह कौरव और नेशनल यूथ अवॉर्डी शिवम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया है कि बरमान से ही लगभग 20 बच्चे जुड़े हुए हैं जो प्रति रविवार बरमान के सभी प्रमुख घाटों पर से दूषित सामग्री को बाहर निकाल कर सफाई कार्य कर रहे हैं।

बिजली की आंख मिचौली से हर वर्ग परेशान

तेंदूखेड़ा। लगातार मेंटनेंस और सुधार कार्य के बाबजूद भी बिजली की लगातार हो रही अघोषित कटौती से हर वर्ग परेशान बना हुआ है।भीषण उमस भरी गर्मी के बीच हर वर्ग परेशान देखा जा रहा है।इसी बीच समीपी ग्राम मदनपुर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। लंबे समय तक बिजली गुल होने के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली कटौती से न केवल आम नागरिक बल्कि बेजुबान मवेशी भी पानी के लिए लिए तरस रहे हैं।बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को 12 घंटों से आपूर्ति बाधित रही लेकिन विभाग की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस लंबी अवधि के दौरान बीच-बीच में बिजली बहाल करने या रोटेशन के आधार पर आपूर्ति देने का भी कोई प्रयास नहीं किया गया है। ग्राम के प्रतिष्ठित पंकज अग्रवाल ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि बिजली न होने से सबमर्सिबल पंप और मोटर बंद पड़े हैं। जिससे घरों में पेयजल का संकट गहरा गया है। बिना पानी के मवेशी बेहाल हैं। चारे और पानी के अभाव में पशुपालक भी काफी परेशान हैं।बच्चों और बुजुर्गों की परेशानी बिना पंखे और कूलर के घरों में रुकना मुश्किल हो गया है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं की गई